संगीतकार की छड़ी



लेखक : सिड



आर्टुरो एक मशहूर संगीतकार था. वो अपनी छड़ी से संगीतकारों को निर्देश देता था. "इस छोटी छड़ी के बिना मैं भला कैसे ऑर्केस्ट्रा संचालित करता,“ उसने कहा.

पर एक शाम संगीतकार की छड़ी कहीं गुम हो गई! उसे हर जगह ढूँढा गया. मैनेजर और नौकर ने भी छड़ी की सब जगह तलाश की. कुत्ते टस्कनी ने भी इस खोज में भाग लिया. अब आर्टुरो, छड़ी के बिना भला कैसे ऑर्केस्ट्रा संचालित करेगा?

पर अंत में इस गंभीर समस्या का एक मज़ेदार हल निकला.

संगीतकार की छड़ी





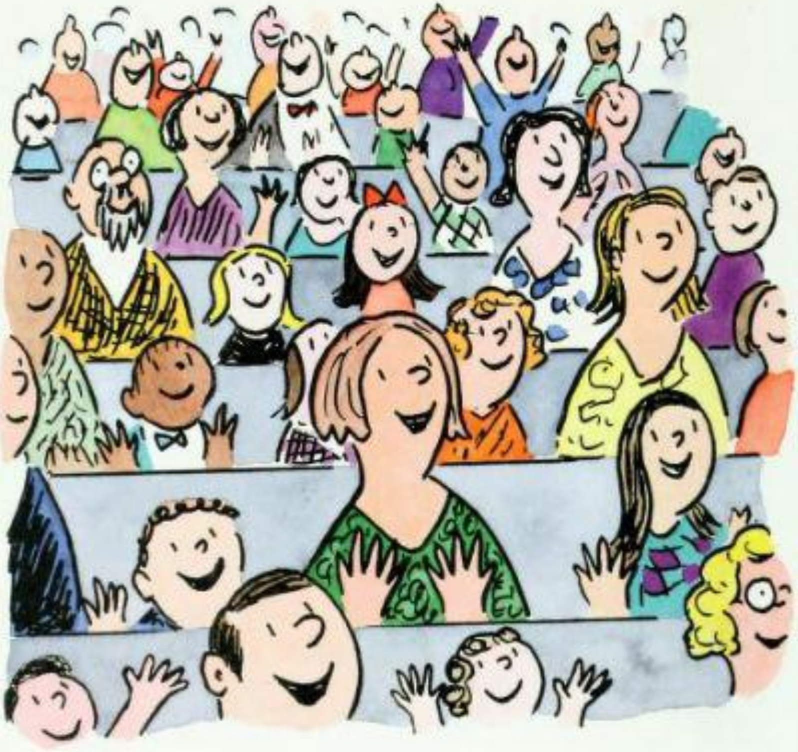
आर्टुरो, एक संगीत ऑर्केस्ट्रा का मशहूर कंडक्टर था.



जब वो अपनी छड़ी हिलाता
तो पूरा ऑर्केस्ट्रा संगीत बजाना शुरू करता.



जब वो छड़ी तेज़ी से हिलाता तो तुरही (ट्रंपेट) ज़ोर से बजते.
जब वो छड़ी धीमे से हिलाता तो वायलिन बजने लगते.



कार्यक्रम समाप्त होने के बाद दर्शक हमेशा,

"दुबारा, दुबारा!" की फरमाइश करते.



संगीत समारोह ख़त्म होने के बाद दर्शक आर्टुरो को घेर लेते.

वो प्रेम से आर्टुरो को फूल के गुलदस्ते भेंट करते.



"मैं आपका शुक्रगुज़ार हूँ," आर्टुरो, लोगों से कहता.
"मैं अपनी छोटी छड़ी का भी धन्यवाद अदा करता हूँ," वो कहता,
"इस छड़ी के बिना मैं संगीत का कार्यक्रम नहीं कर पाता."



उसके बाद आर्टुरो का मैनेजर फेलिक्स, उसे कार में घर ले गया.
"याद रखें," फेलिक्स ने आर्टुरो को याद दिलाया, "कल संगीत
कार्यक्रम ख़त्म होने के बाद आपको वर्ल्ड-टूर पर जाना है."



घर में नौकरानी ने आर्टुरो को एक गिलास में गर्मागर्म दूध दिया.
आर्टुरो का कुत्ता टस्कनी उसके स्लिपर लेकर आया.
नौकर ने उसे रात के कपड़े थमाए.



उसके बाद आर्टुरो पलंग पर लेटा.
छड़ी को उसने अपने तकिये के पास रखा.



पर सुबह छड़ी वहां से गायब थी!



नौकरों ने छड़ी को बहुत ढूँढा.

फेलिक्स ने भी उसकी बहुत तलाश की.

टस्कनी ने भी उसे खोजा.

आर्टुरो ने भी घुटनों के बल, छड़ी को पूरे घर में छान मारा.



पर छड़ी कहीं नहीं मिली!

"संगीत समारोह कैंसिल करो!

वर्ल्ड-टूर रद्द करो!"

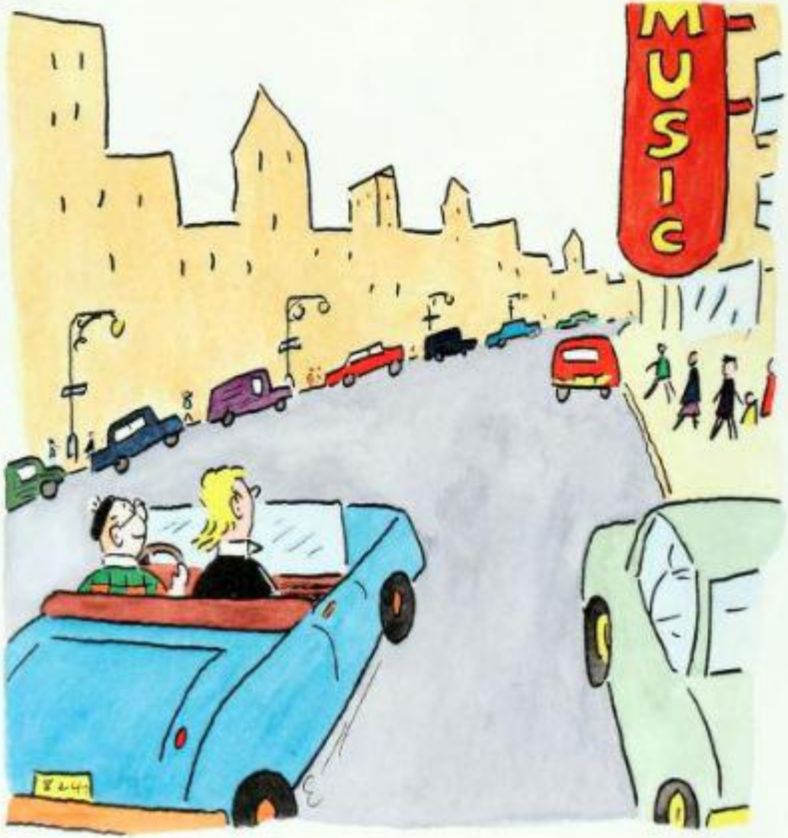
आर्टुरो चिल्लाया.



"नहीं, वर्ल्ड-टूर कैंसिल करना सम्भव नहीं होगा,"

फेलिक्स ने कहा. "सारे टिकट बिक चुके हैं.

अब आपको कोई दूसरी छड़ी इस्तेमाल करनी पड़ेगी."



फिर फेलिक्स, आर्टुरो को कार में बिठाकर

एक बड़े म्यूज़िक स्टोर में ले गया.



वहां आर्टुरो ने सभी छड़ियों को

एक-एक करके उठाया और उनका मुआइना किया.

"यह बहुत भारी है," उसने कहा.

"यह बहुत हल्की है."



"यह बहुत लम्बी है.
यह बहुत छोटी है.
यह सब बेकार हैं.
मैं अपनी छड़ी के बिना
संगीत समारोह संचालित नहीं कर पाऊंगा."



"आप एक महान संगीतकार हैं, आर्टुरो," फेलिक्स ने कहा.
"ऑर्केस्ट्रा को संचालित करने के लिए आपको छड़ी की क्या ज़रुरत?
संचालन का काम आप हाथ हिलाकर भी कर सकते हैं."
"नहीं, उससे काम नहीं चलेगा," आर्टुरो ने कहा.
"चलिए, एक बार कोशिश तो करें," फेलिक्स ने कहा.



फिर वो लोग जल्दी-जल्दी ऑर्केस्ट्रा हाउस में गए.



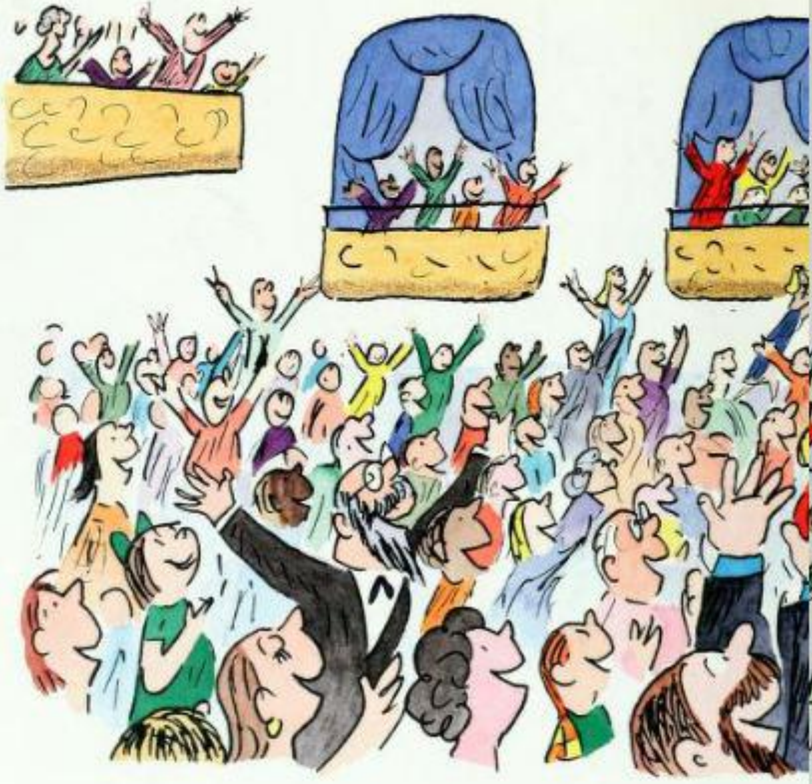
आर्टुरो, मंच पर गया.

"मेरी हार्दिक शुभकामनाएं," फेलिक्स ने उससे कहा.

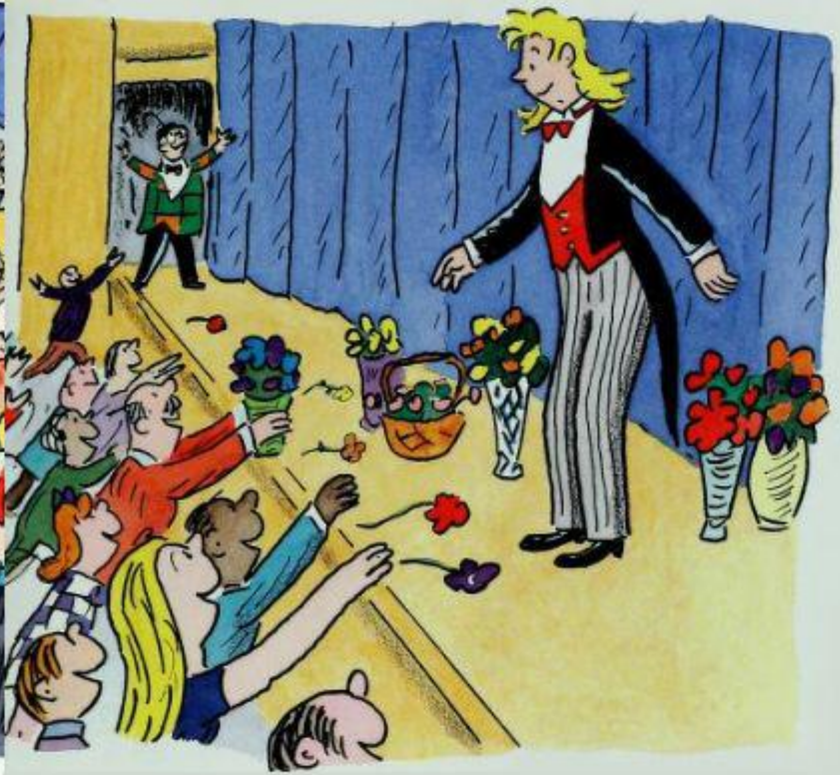


आर्टुरो, ऑर्केस्ट्रा के सामने खड़ा हुआ.
फिर उसने अपने हाथ हिलाए.

जब उसने तेज़ी से हाथ हिलाए तो तुरही (ट्रंपेट) ज़ोर से बजने लगीं.
जब उसने धीमे हाथ हिलाए तो वायलिन की धुनें बजने लगीं.



"दुबारा, एक बार और," दर्शक उत्साह से चिल्लाए.



दर्शक स्टेज पर गए और उन्होंने आर्टुरो के पैरों पर फूल फेंके.



"वाह मालिक! आपने तो कमाल ही कर दिया," फेलिक्स चिल्लाया.

"इतना मधुर ऑर्केस्ट्रा तो मैंने पहले कभी नहीं सुना."

"तुमने ठीक ही कहा था," आर्टुरो, फेलिक्स के कान में फुसफुसाया.

"मैं वाकई में एक अच्छा म्यूजिक कंडक्टर हूँ."



ड्रेसिंग रूम में नौकरानी और नौकर, आर्टुरो की का इंतज़ार कर रहे थे.

"देखिए, अभी-अभी हमें क्या मिला है!" नौकरानी ने कहा.



सामने कुत्ता टस्कनी खड़ा था.
उसके मुंह में आर्टुरो की संगीत छड़ी दबी थी!



"शुक्रिया टस्कनी," आर्टुरो ने कहा.
"देखो, अब मुझे उसकी ज़रुरत नहीं है."
तुम उसे अपने खेलने के लिए रख लो."



उसके बाद आर्टुरो, वर्ल्ड-टूर पर रवाना हुआ.

समाप्त